आर. एन. आई. नं. UPHIN/2010/32566 डाक. पंजीयन. संख्या– SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक

हर ख़बर पर पैनी नज़र

वर्ष : 11 अंक : 17 लखनऊ, शुकवार 07 अगस्त से 13 अगस्त, 2020 तक पृष्ठ–8 मूल्य : एक रूपया

कोविड–१६ महामारी से बचाव के लिये सभी जिलों में अस्थायी जेल बनाने के निर्देश

अद्भुत समाचार नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कोविड–१६ महामारी से बचाव के लिये सभी जिलों में अस्थायी जेल बनाने के निर्देश दिये हैं। अपर मुख्य सचिव सूचना एवं गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने गुरूवार को बताया कि मुख्यमंत्री ने राज्य के सभी जिलों में अस्थायी जेल बनाने के निर्देश दिये हैं। इस जेलों में नये कैदियों का रखा जायेगा ताकि कारागारों में कोविड–१६ का संक्रमण न फैले। अवनीश अवस्थी ने बताया कि राज्य में अब तक ६३ जिलों में अस्थायी जेल बन गयी है। बाकी जिलों में भी अस्थायी जेल बनाने के निर्देश जारी किये गये हैं। उन्होंने कहा कि इसके साथ–साथ कैदी को जेल में ले जाने से पहले कोविड–१६ की जांच अवश्य करायें। उन्होंने बताया कि गृह विभाग की धारा १८८ के तहत १,७२,६२५ एफआईआर दर्ज करते हुये ३,४८,४४० लोगों को नामजद किया गया है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि मास्क पहनने तथा दो गज की दूरी बनाये रखें। प्रदेश में अब तक १,१६,१६,१६५ वाहनों की सघन चेकिंग में ६६,५३८ वाहन सीज किये गये। चेकिंग अभियान के दौरान ५८,५०,६६,३६६ रूपए का शमन शुल्क वसूल किया गया। कालाबाजारी एवं जमाखोरी करने वाले १,०४२ लोगों के विरूद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत

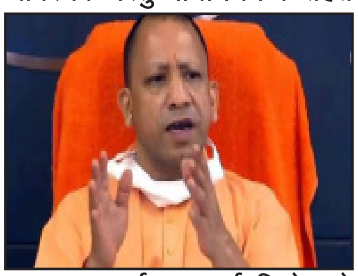

७८१ एफआईआर दर्ज किये गये हैं। फेक न्यूज के तहत २११८ मामलों को संज्ञान में लेते हुए कार्रवाई की गयी हैं। उन्होंने बताया कि राज्य के ६८८० हॉट स्पॉट के १०८७ थाना क्षेत्र में १४,०६,०२१ मकानों के ८४,७७,२६५ लोगों को चिन्हित किया गया है। इन हाटॅस्पॉट क्षेत्रों में कोरोना पॉजिटिव लोगों की संख्या ३६,७६८ है। इंस्टीट्यूशनल क्वारंटाईन किये गये लोगों की संख्या १८५५१ है। प्रदेश में हॉटस्पॉट वाले बस्तियों की अनुमानित जनसंख्या ६४,०८,८६६ के सापेक्ष १२,१६१ डोर स्टेप डिलिवरी मिल्क बूथ.मैन के द्वारा दूध वितरित किया गया है। डोर स्टेप डिलिवरी 'फल, सब्जी आदि' कुल १४,८६६ वाहन लगाये गये हैं। अवनीश अवस्थी ने बताया कि डोर स्टेप डिलिवरी वाले प्रोविजन स्टोर की संख्या १२,६०२ है। प्रोविजन स्टोर के माध्यम से डिलिवरी करने वालों की संख्या १२,६१६ है। हॉट स्पॉट क्षेत्रों में कुल २४ प्रचलित सामुदायिक किचन हैं। इन बस्तियों में १३,४३,६४४ राशन कार्डो पर खाद्यान्न वितरण किया गया है। इसके अतिरिक्त सरकारी संस्थाओं/सामुदायिक किचन के माध्यम से २,६२६ नागरिकों को लाभान्वित तथा धार्मिक/स्वैच्छिक संस्थाओं के माध्यम से ५७६ नागरिकों को लाभान्वित किया गया है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने बुधवार को उत्तर प्रदेश राज्य परिवहन निगम की ६,३५७ बसों के माध्यम से १०,०६,३०७ लोगों के यात्रा करने पर संतोष व्यक्त किया है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता मनोज सिन्हा बने जम्मू–कश्मीर के उपराज्यपाल

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता मनोज सिन्हा को जम्मू एवं कश्मीर का उपराज्यपाल नियुक्त कर दिया गया। उनकी नियुक्ति यहां के उपराज्यपाल जी.सी मुर्मू के अचानक इस्तीफा देने के एक दिन बाद हुई। मुर्मू ने पूर्ववर्ती राज्य में अनुच्छेद ३७० निरस्त होने के ठीक एक वर्ष पूरे होने और इस नए केन्द्र शासित प्रदेश की बागडोर संभालने के ६ महीने बाद अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने जम्मू एवं कश्मीर के उपराज्यपाल मुर्मू के इस्तीफे को स्वीकार कर लिया और इस पद पर सिन्हा को नियुक्त किया है। राष्ट्रपति भवन से गुरुवार को जारी हुए के एक बयान में कहा गया, "राष्ट्रपति ने मनोज सिन्हा को जम्मू एवं कश्मीर का उपराज्यपाल नियुक्त किया गया है। सिन्हा ने लोकसभा में तीन बार पूर्वी उत्तर प्रदेश के गाजीपुर

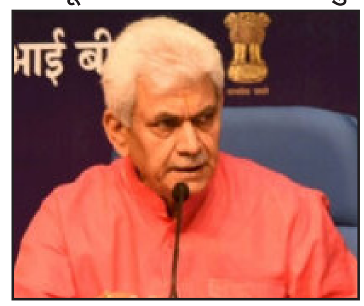

संसदीय क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया है। वहीं पिछले साल हुए लोकसभा चुनावों में उन्हें बहुजन समाज पार्टी के अफजल अंसारी ने हराया था। सिन्हा ने जूनियर रेल मंत्री के रूप में भी काम किया है। बता दें कि मुर्मू ने बुधवार को अपना इस्तीफा राष्ट्रपति को भेजा था।

चीनी घुसपैठ पर फिर घमासान

नई दिल्ली। भारतीय सीमा में चीन की घुसपैठ के मसले पर एक बार फिर घमासान छिड़ा है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा है कि रक्षा मंत्रालय चीनी घुसपैठ की बात मान रहा है तो प्रधानमंत्री ने क्यों देश को गुमराह किया। जाइए। भारत के प्रधानमंत्री में इतना भी साहस नहीं कि वो चीन का नाम ले सकें। चीन का हमारे क्षेत्र में घुस आना और वेबसाइट्स से दस्तावेज हटा देने से सच्चाई नहीं बदल जाएगी। असल में चीन की सेना की घुसपैठ पर रक्षा मंत्रालय ने एक दस्तावेज अपलोड किया था।

उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री में इतना साहस नहीं है कि वे चीन का नाम ले सकें। इससे पहले रक्षा मंत्रालय ने अपनी वेबसाइट पर एक दस्तावेज अपलोड किया था, जिसमें तीन जगहों पर चीन के भारत की सीमा में घुसने की बात मानी गई है। पर बाद में यह दस्तावेज वहां से हटा लिया गया। रक्षा मंत्रालय के इसी दस्तावेज का हवाला देकर राहुल ने कहा– रक्षा मंत्रालय चीन की तरफ से सीमा उल्लंघन की बात मान रहा है। तो फिर प्रधानमंत्री झूठ क्यों बोल रहे हैं? राहुल ने कहा– चीन का सामना करने की बात भूल इसमें पूर्वी लद्दाख के कुंगरांग नाला, पैंगोंग झील और गोगरा में चीनी घुसपैठ की जानकारी दी गई थी। इसमें कहा गया था– एलएसी और खास कर गलवान घाटी में पांच मई से चीन की आक्रामकता बढ़ रही थी। उसने १७–१८ मई को कुंगरांग नाला, गोगरा और पैंगोंग झील के उत्तरी किनारे पर घुसपैठ की थी। मंत्रालय ने पहली बार चीनी घुसपैठ की बात मानी है। राहुल ने इस बारे में एक मीडिया रिपोर्ट शेयर करते हुए प्रधानमंत्री से सवाल पूछा और उन पर झूठ बोलने का आरोप लगाया।

31 अगस्त तक सुनाया जा सकता है बाबरी मस्जिद विध्वंस मामले का फैसला

लखनऊ। उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद लखनऊ की विशेष सीबीआई अदालत ३१ अगस्त तक बाबरी मस्जिद विध्वंस मामले में अपना फैसला सुनाएगी। ट्रायल कोर्ट ने अपनी दिन–प्रतिदिन की सुनवाई लगभग पूरी कर ली है और अब आरोपियों को १० अगस्त तक अपने वकीलों के माध्यम से लिखित दस्तावेज में स्पष्टीकरण या सबूत पेश करने को कहा गया है। नौ नवंबर, २०१६ को दिए गए रामजन्मभूमि फैसले के साथ, अब ध्यान विध्वंस के मुकदमे के मामले में स्थानांतरित हो गया है, जो छह दिसंबर १६६२ के बाद शुरू हुआ था। उच्चतम न्यायालय ने अपने टाइटल सूट के फैसले में यह भी कहा कि मस्जिद का विध्वंस एक अपराधी मामला है। हालांकि, पूर्व उप प्रधामंत्री लाल कृष्ण आडवाणी, डॉ. मुरली मनोहर जोशी, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह और उमा भारती समेत सभी ३१ आरोपियों ने इस मामले में दोषी नहीं होने की दलील दी है। आरोप लगाया कि राजनीतिक साजिश में उन्हें फंसाया गया। पिछले २८ साल की बार–बार की गई जांच और मुकदमे के बाद, यह मामला आखिरकार लखनऊ की

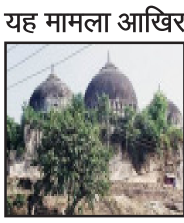

विशेष सीबीआई अदालत में चल रहा है। ३२ जीवित आरोपियों में से, ३१ ने सीआरपीसी की धारा ३१३ के तहत अपने अंतिम बयान दर्ज किए हैं। कम चर्चित आरोपियों में से एक फरार है। अब तक कुल ३५१ गवाहों की जांच हो चुकी है। इस मामले की सुनवाई कर रहे विशेष न्यायाधीश एस के यादव को उच्चतम न्यायालय ने इस मुकदमे को पूरा करने के लिए विस्तार दिया। वकील अभिषेक रंजन, जो कि आडवाणी, जोशी और कल्याण सिंह के वकील हैं, ने कहा, "कार्यवाही अंतिम चरण में है। ३१३ सीआरपीसी के बयान के बाद, बचाव पक्ष एक बार फिर आवश्यक गवाहों से सवाल करना चाहेगा। उच्चतम न्यायालय ने सुनवाई के समापन की अंतिम तिथि ३१ अगस्त तय की है। इसलिए दिन–प्रतिदिन सुनवाई चल रही है।" वरिष्ठ वकील आई बी सिंह, जिन्होंने कई आरोपियों के बचाव में तर्क दिया था, ने कहा, "मुकदमा अब अपने आखिरी चरण में हैं। हम मामले में जल्द ही फैसला सुनाने की उम्मीद करते हैं।' एक सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि २८ साल बाद भी, इस मामले में एक फैसले का इंतजार सीबीआई अदालत से किया जा रहा है। श्री सिंह ने कहा, "मामले में पहले दिन से बड़ी कमियों है, एक अपराध के लिये अलग–अलग एफआईआर क्यों दर्ज की गईं।"

सम्पादकीय

भारत दुनिया में सबसे ज्यादा नए संक्रमितों वाला देश

लोग करोना को लेकर अभी भी गंभीर नहीं दिख रहे निरक्षर से लेकर पढ़े लिखे लोग भी सरकार द्वारा जारी गाईड लाईन का पालन करने से परहेज करते नज़र आ रहे है जिसके चलते भारत में कोरोना वायरस से संक्रमितों की संख्या २० लाख का आंकड़ा पार कर गई है। देश में मंगलवार को कोरोना संक्रमितों की संख्या १९ लाख पहुंची थी। उसके बाद दो दिन में संक्रमितों का आंकड़ा २० लाख को पार कर गया। लगातार छठी बार दो दिन में एक लाख से ज्यादा मामले आए हैं। गुरुवार को रात नौ बजे तक भारत में ५७ हजार नए संक्रमित मिले थे, जिसके बाद संक्रमितों की संख्या २० लाख २० हजार से ज्यादा हो गई। ५७ हजार के आंकड़े के साथ भारत दुनिया में सबसे ज्यादा नए संक्रमितों वाला देश बन गया है। सबसे ज्यादा संक्रमित दो देशों–अमेरिका और ब्राजील से ज्यादा संक्रमित भारत में मिले हैं। गुरुवार को रात नौ बजे तक देश भर से ८६७ लोगों के मरने की खबर आई, जिसके बाद देश भर में संक्रमण से मरने वालों की संख्या ४१,६०७ पहुंच गई। देर रात तक कई राज्यों से संक्रमितों और मरने वालों का आंकड़ा अपडेट नहीं किया गया था। उनके आंकड़े आने के बाद यह संख्या और बढ़ सकती है। भारत में एक्टिव केसेज की संख्या बढ़ कर छह लाख से ज्यादा हो गई है। देश में सबसे ज्यादा संक्रमित महाराष्ट्र में गुरुवार को संक्रमितों की संख्या ११ हजार से ऊपर पहुंच गई। राज्य में ११,५१४ नए संक्रमित मिले, जिसके बाद संक्रमितों की कुल संख्या चार लाख ७९ हजार ७७९ हो गई। राज्य में ३१६ लोगों की मौत हुई, जिसके बाद मरने वालों की कुल संख्या १६,७९२ पहुंच गई। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में गुरुवार संक्रमितों की संख्या लगातार दूसरे दिन बढ़ोतरी हुई। राज्य में १,२९९ नए मामले आए, जिसके बाद संक्रमितों की संख्या एक लाख ४१ हजार ५३१ हो गई। बिहार में गुरुवार को पहली बार तीन हजार से ज्यादा मामले आए। राज्य में ३,४१६ नए संक्रमित मिले, जिसके बाद संक्रमितों की कुल संख्या बढ़ कर ६८,१४८ पहुंच गई। देश में दूसरे सबसे ज्यादा संक्रमित राज्य तमिलनाडु में गुरुवार को ५,६८४ नए मामले आए, जिसके बाद संक्रमितों की संख्या दो लाख ७९ हजार १४४ हो गई है। आंध्र प्रदेश में गुरुवार को १०,३२८ मामले आए और वहां संक्रमितों की संख्या एक लाख ९६ हजार ७८९ हो गई है। तेलंगाना में २,०९२ नए मामले आए, जिसके बाद संक्रमितों की संख्या ७३,०५० हो गई। राजस्थान में ५३९ मामले आए, जिसके बाद संक्रमितों की संख्या ४८,३८४ हो गई। उत्तर प्रदेश में लगातार तीसरे दिन चार हजार से ज्यादा मामले आए। राज्य में ४,५८६ नए मामले आए, जिसके बाद संक्रमितों की संख्या एक लाख आठ हजार ९७४ हो गई। ओड़िशा में १,६९९ नए मामले आए और केरल में १,२९८ नए संक्रमित मिले। मध्य प्रदेश में ८३० नए मामले आए, जिसके बाद संक्रमितों की संख्या बढ़ कर ३६,५६४ हो गई। कर्नाटक में गुरुवार को ६,८०५ नए मामले आए, जिसके बाद राज्य में संक्रमितों की संख्या एक लाख ५८ हजार २५४ हो गई। ये आंकड़े कोविड१९इंडिया डॉट ओआरजी के आंकड़ों पर आधारित हैं। भारत सरकार के स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्रालय की वेबसाइट के मुताबिक गुरुवार की देर शाम तक कुल संक्रमितों की संख्या १९ लाख ६४ हजार ५३६ थी, जिसमें से ४०,६९९ लोगों की मौत हो चुकी है। अगर यही हालाथ रहे तो आने वाले समय में स्थितियां और भयावाह होंगी।

दुनिया को भारत की लोकतांत्रिक शक्ति का अहसास हो गया : योगी

अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राम मंदिर के लिये पांच सदी तक चली संघर्ष साधना का समाधान अंततरू उच्चतम न्यायालय के फैसले से हुआ और इसके साथ ही दुनिया को भारत की लोकतांत्रिक शक्ति का अहसास हो गया। सीएम योगी ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा और मार्गदर्शन से यह शुभ अवसर सबके सामने है। पूरी दुनिया में भारत की एक सुढ़ लोकतांत्रिक राष्ट्र के रूप में पहचान है। सीएम योगी ने कहा प्रधानमंत्री ने दिखा दिया है कि संविधान सम्मत ढंग से समस्याओं का समाधान कैसे किया जा सकता है। उनकी सूझ–बूझ और दूरदर्शिता से यह अवसर प्राप्त हो रहा है। उन्होंने कहा कि इस शुभ घड़ी के लिये ५०० वर्षों की एक लम्बी संघर्ष साधना रही है। पांच सदी के बाद आज भारतवासियों का संकल्प पूरा हो रहा है। देश में लोकतांत्रिक तरीकों के साथ ही मन्दिर का निर्माण किया जा रहा है। इस घड़ी की प्रतीक्षा में कई पीढ़ियां गुजर चुकी हैं। पूज्य संतों, अनेक महापुरुषों ने अनेक वीरांगनाओं ने अपना बलिदान दिया। मुख्यमंत्री

ने कहा कि पिछले तीन सालों से अयोध्या में 'दीपोत्सव' का आयोजन अयोध्या के साथ जुड़ने का सन्देश देता है। अयोध्या में विकास के कार्य तेजी से हुआ है। स्वदेश दर्शन योजना के तहत घाटों का सुन्दरीकरण किया गया है। आज का दिन भावनात्मक होने के साथ–साथ उमंग और उत्साह का दिन है। उन्होंने कहा कि वैश्विक महामारी कोविड–१९ के प्रोटोकॉल का पालन करते हुए इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मौजूदा सरकार रामराज्य की अवधारणा को अंगीकार करते हुए जाति, क्षेत्र, भाषा के आधार पर बगैर किसी भेदभाव के 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के मंत्र पर कार्य कर रही है। सीएम योगी ने कहा कि उन सबको किसी न किसी रूप में हम आने वाले समय में सहभागी बनाने के लिये कार्यक्रमों का आयोजन करेंगे, ताकि उनकी प्रत्यक्ष अनुभूति अयोध्या में हो सके और अवधपुरी को जो गौरव मिलना चाहिए उसे हम आगे बढ़ा सकें। भगवान राम का यह भव्य और दिव्य मन्दिर, प्रभु श्री राम की यश व कीर्ति के अनुरूप भारत की यश व कीर्ति को भी देश व दुनिया में आगे बढ़ाने का कार्य करेगा। इस मौके पर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल समेत ३६ परम्पराओं के साधु–संत व अन्य महानुभाव उपस्थित थे।

एआईएमपीएलबी ने कहा, 'बाबरी मस्जिद थी, हमेशा रहेगी'

लखनऊ। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपी एलबी) ने कहा है कि बाबरी मस्जिद थी और वह हमेशा रहेगी, क्योंकि एक बार जब कोई मस्जिद एक जगह पर स्थापित हो जाती है, तो वह अनंत काल तक रहती है। बोर्ड ने अपने एक बयान में कहा, "हम वही कह रहे हैं जो शरीयत कहता है।" यह बयान अयोध्या में राम मंदिर के भूमिपूजन से कुछ घंटे पहले आया है। उन्होंने आगे कहा कि अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण की अनुमति देना सुप्रीम कोर्ट का नवंबर २०१९ का फैसला 'अन्यायपूर्ण और अनुचित' था। बयान में आगे कहा गया, "बाबरी मस्जिद थी और हमेशा मस्जिद रहेगी। हागिया सोफिया हमारे लिए एक महान उदाहरण है। एक अन्यायपूर्ण, दमनकारी, शर्मनाक और बहुसंख्यक तुष्टिकरण फैसले द्वारा भूमि का रद्दीकरण इसकी स्थिति को बदला नहीं जा सकता है। दिल तोड़ने की जरूरत नहीं है। परिस्थिति हमेशा एक सी नहीं रहती है। यह राजनीति है।" एआईएमपीएलबी के महासचिव मौलाना मोहम्मद वली रहमानी ने कहा, "हम हमेशा से इसी बात पर टिके रहे हैं कि बाबरी मस्जिद को कभी भी किसी मंदिर या किसी हिंदू पूजा स्थल को ध्वस्त करके नहीं बनाया गया था।" बयान में आगे कहा गया है कि सुप्रीम कोर्ट ने भी स्वीकार किया कि २२ दिसंबर, १९४९ को मस्जिद में मूर्तियों को रखना एक गैरकानूनी कार्य था। कोर्ट ने अपने फैसले में यह भी स्वीकार किया कि ६ दिसंबर, १९९२ को बाबरी मस्जिद का विध्वंस एक गैरकानूनी, असंवैधानिक और आपराधिक कृत्य था। वली ने आगे कहा, "यह वास्तव में पछतावा करने वाला है कि इन सभी तथ्यों को स्वीकार करने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने एक बेहद अन्यायपूर्ण फैसला करते हुए मस्जिद की भूमि को उन

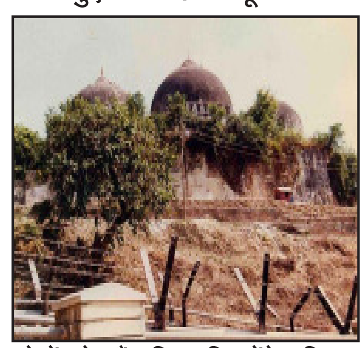

लोगों को सौंप दिया जिन्होंने मस्जिद में आपराधिक तरीके से मूर्तियों को रखा था और इसके आपराधिक विध्वंस के पक्ष में थे।" उन्होंने आगे कहा, "बाबरी मस्जिद पहले भी एक मस्जिद थी, आज भी मस्जिद है और हमेशा मस्जिद रहेगी।"

यूपी में कोविड–१९ के इलाज की सुविधा नहीं : अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाएं स्वयं बुरी तरह बीमार हैं। स्थिति इतनी गंभीर है कि सत्ता दल के ही एक दर्जन मंत्री एवं विधायक कोविड–१९ की चपेट में हैं। एक कैबिनेट मंत्री की मृत्यु हो चुकी हैं। भाजपा सरकार ने साढ़े तीन वर्ष में कौन सी मेडिकल सुविधाएं विकसित की हैं। उत्तर प्रदेश में जो भी मेडिकल कलेज हैं वे सभी समाजवादी सरकार में बने थे। भाजपा सरकार ने एक भी मेडिकल कलेज नहीं बनाया। कोविड–१९ के इलाज की उचित व्यवस्था तक नहीं है।सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गुरुवार को जारी बयान में कहा कि कोरोना वायरस के संक्रमण पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। इससे लोगों में भय व्याप्त है और मनोवैज्ञानिक रूप से वे हताशा के शिकार हो रहे हैं। लगातार पांच महीनों से तमाम प्रतिबंधों में रहते हुए परिवार परेशान हो रहे हैं। सैकड़ों आत्महत्या करने को मजबूर हुए हैं। बच्चों के स्कूल–कलेज बंद चल रहे हैं। भाजपा सरकार के तमाम दिशा निर्देशों का पालन भी धीरे–धीरे घटता जा रहा है। अस्पतालों में मरीजों को ओपीडी में इलाज मिलना मुश्किल हो गया है। यहां तक कि गंभीर मरीज भी इलाज के लिए घंटों तड़पते रहते हैं।सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री की दिक्कत यह है कि उनके बयान तो बहुत दिखते हैं किंतु जमीनी स्तर पर उनका कहीं पालन होते नहीं दिखाई देता है। गोरखपुर में स्वास्थ्यकर्मियों को भोजन नहीं मिलने और बरेली में सैनिटाइजर खरीद में भ्रष्टाचार की शिकायतें हैं। वहीं, बदायूं में क्वारंटीन सेंटर पर मरीज भूख से तड़प रहे हैं। फतेहपुर में चारपाई पर एंबुलेंस सेवा का दर्दनाक श्य दिखा है। राज्य में एंबुलेंस तक का अकाल पड़ गया है।

शांतनु सिंह ने संभाला रक्षा मंत्रालय के मध्यकमान जनसंपर्क अधिकारी का कार्यभार

लखनऊ। भारत सरकार के सूचना प्रसारण मंत्रालय में भारतीय सूचना सेवा के अधिकारी शांतनु प्रताप सिंह ने लखनऊ छावनी में रक्षा मंत्रालय (मध्य कमान) के जनसंपर्क अधिकारी का कार्यभार आज संभाल लिया है। भारतीय सूचना सेवा के वर्ष २०१२ बैच के अधिकारी शांतनु प्रताप सिंह वर्तमान पद ग्रहण करने से पहले चंडीगढ़ स्थित आरएनयू, आल इण्डिया रेडियो में उपनिदेशक समाचार के पद पर कार्यरत थे। शांतनु प्रताप सिंह ने दूरदर्शन समाचार, नई दिल्ली तथा दूरदर्शन केन्द्र, शिलान्ग सहित भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के विभिन्न मीडिया इकाइयों में कार्य किया है।

योगी ने कोविड चिकित्सालयों में 50 हजार बेड यथाशीघ्र तैयार करने के निर्देश दिये

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एल–२ तथा एल–३ कोविड चिकित्सालयों में ५० हजार बेड यथाशीघ्र तैयार करने के निर्देश दिये हैं। इन बेड्स के लिए चिकित्सा कर्मियों सहित अन्य आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने महानिदेशक, स्वास्थ्य तथा महानिदेशक, चिकित्सा शिक्षा को इस सम्बन्ध में समयबद्ध ढंग से कार्यवाही करने के निर्देश भी दिये। मुख्यमंत्री आज यहां अपने सरकारी आवास पर बैठक में अनलॉक व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने प्रत्येक जिले में इन्टीग्रेटेड कमाण्ड एण्ड कंट्रोल सेण्टर को प्रभावी रूप से क्रियाशील करने के निर्देश दिये और कहा कि जिस जिले में इन्टीग्रेटेड कमाण्ड एण्ड कंट्रोल सेण्टर स्थापित होने के बावजूद सुचारु रूप से कार्यशील नहीं हैं, ऐसे जिलों के जिलाधिकारी की जवाबदेही तय की जाएगी। उन्होंने होम आइसोलेशन में रह रहे संक्रमित मरीजों से इन्टीग्रेटेड कमाण्ड एण्ड कंट्रोल सेण्टर द्वारा दिन में दो बार दूरभाष से संवाद स्थापित कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी

प्राप्त करने के निर्देश भी दिये। मुख्यमंत्री ने एम्बुलेंस व्यवस्था को और बेहतर करने के निर्देश दिये तथा कहा कि १०८ एम्बुलेंस सेवा के साथ–साथ सरकारी चिकित्सालयों तथा मेडिकल कॉलेज की कुल एम्बुलेंस का ५० प्रतिशत कोविड मामलों में तथा शेष ५० प्रतिशत नॉन कोविड मामलों में उपयोग किया जाए। उन्होंने कहा कि कोविड–१९ के मरीजों के स्वास्थ्य की स्थिति के आधार पर सम्बन्धित कोविड चिकित्सालय में बेड उपलब्ध कराया जाए। कोविड–१९ के संक्रमण की चेन को तोड़ने के लिए प्रत्येक स्तर पर सावधानी बरतना आवश्यक है। किसी को भी महामारी फैलाने की इजाजत नहीं दी जा सकती। उन्होंने कानपुर नगर की चिकित्सा सेवाओं को बेहतर करने तथा वेन्टिलेटर बेड्स की संख्या में वृद्धि करने के निर्देश भी दिये। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाढ़ग्रस्त इलाकों में प्रभावित लोगों को हर सम्भव राहत एवं मदद उपलब्ध करायी जाए। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की जनता को सूखा राशन दिया जाए। गांवों में राशन किट वितरित की जाए। उन्होंने कहा कि कोविड–१९ तथा संचारी रोगों के नियंत्रण के उद्देश्य से प्रत्येक शनिवार तथा रविवार को विशेष स्वच्छता एवं सेनिटाइजेशन अभियान का प्रभावी संचालन जारी रखा जाए।

मनकामेश्वर महादेव मंदिर में गूंजे कजरी के पारंपरिक गीत

लखनऊ। डालीगंज के प्रतिष्ठित मनकामेश्वर महादेव मंदिर में गुरुवार को कजरी तीज पारंपरिक रूप से मनायी गई। इसमें महिलाओं ने हरे रंग की साड़ी पहन कर कजरी माता की छवि वाली सतरंगी

रंगोली सजायी और कजरी गायी। इस अवसर पर महंत देव्यागिरी ने देवी रूप में अलंकृत भोलेनाथ की महा आरती कर मानव कल्याण के लिए प्रार्थना की। महंत देव्यागिरि ने बताया कि यह भाद्र पद की कृष्ण तृतीया पर कजरी तीज मनायी जाती है। गुरुवार को मनायी गए कजरी तीज एक ओर जहां महिलाओं को प्रेंति से जोड़ती है वहीं यह समाज को भी संदेश देती है कि महिलाओं का सम्मान किया जाए। इस अवसर पर मंदिर परिसर में भोलेनाथ का कजरी माता के रूप में आकर्षक श्रंगार किया गया। महंत देव्यागिरी ने पुष्प, जल, अक्षत, फल आदि अर्पित कर पूजन अर्चन किया। इसके बाद महाआरती की गई। दूसरी ओर मंदिर परिसर में साक्षी ने परिसर में सत्संगी रंगोली सजायी। इस अवसर पर उपस्थित महिलाएं हरी साड़ी में कजरी मनाने मंदिर परिसर में जुटीं।

मोमेंटो होटल के कमरे में मिले प्रेमी युगल के शव, खुदकुशी की आशंका

लखनऊ। राजधानी के कृष्णागर थाना क्षेत्र के होटल मोमेंटो में प्रेमी युगल की संदिग्ध हालात में शव मिले हैं। युवती का शव बेड पर मिला, जबकि युवक का शव फांसी पर लटकता हुआ मिला। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों के शवों को पोटस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही फरेंसिक और पुलिस की टीम छानबीन में जुटी है। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट भी बरामद नहीं हुआ है। एसीपी दीपक कुमार ने बताया कि होटल मोमेंटो युवक राहुल वर्मा और युवती नैन्सी वर्मा के संदिग्ध हालात में शव मिले हैं। दोनों की पहचान उनके पास से मिले पहचान पत्रों के जरिए हुई और उनके परिजनों ने भी दोनों की शिनाख्त की है। बताया कि दोनों प्रेमी युगल लिव इन रिलेशन में थे और चार साल से एक दूसरे को जानते थे। उन्होंने बताया कि मौके से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने और फॉरेंसिक जांच के बाद ही स्थिति साफ हो पाएगी। इसके अलावा पुलिस दोनों के परिजनों से भी पूछताछ कर रही है। इस बीच नैन्सी के परिजनों ने सरोजनीनगर थाने में राहुल के खिलाफ नैन्सी को बहला फुसलाकर ले जाने का मामला दर्ज कराया है। परिजनों का कहना है कि दोनों की पुरानी जान पहचान थी और कल रात राहुल ने नैन्सी को फोन करके मिलने के बुलाया था।

अमर सिंह के निधन पर मुलायम सिंह यादव ने की शोक संवेदना व्यक्त

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के पूर्व नेता और राज्यसभा सांसद अमर सिंह का सिंगापुर में इलाज के दौरान बीते १ अगस्त को उनका निधन हो गया। मुलायम सिंह यादव ने अमर सिंह के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने शोक जताते हुए कहा कि मैंने महत्वपूर्ण, शुभचिंतक मित्र खोया है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि अमर सिंह को शानदार इंसान के रूप में याद रखेंगे। उन्होंने कहा कि अमर सिंह मित्रों के लिए संकटमोचक थे। अमर सिंह के निधन को मुलायम सिंह ने एक बड़ी त्रासदी बताया।

राजीव गांधी द्वारा कराया गया शिलान्यास सियासी था : साक्षी महाराज

एटा। अपने विवादित बयानों से चर्चा में रहने वाले उन्नाव सीट से सांसद साक्षी महाराज ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा पांच अगस्त को किए जा रहे मंदिर निर्माण के भूमिपूजन में कोई राजनीति नहीं है लेकिन असली सियासत तो उस समय हुई थी जब पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी ने राम मंदिर के लिए शिलान्यास कराया था। साक्षी महाराज ने मंगलवार को यहां अपने आश्रम में कहा "मैं साक्षी हूं अयोध्या के पूरे आंदोलन का, बाबरी विधवन्स का, राम सिला पूजन का। जब से मैंने होश संभाला है इस आंदोलन से मैं जुड़ा हूँ और एक एक घटना का मैं साक्षी हूँ। मोदी जी के द्वारा किये जाने वाले राम मंदिर के शिलान्यास में कोई सियासत नही है, सियासत तो राजीव गांधी ने जो राम मंदिर के लिये शिलान्यास कराया था, सियासत उसमें थी।" उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार में स्वर्गीय राजेश पायलट आंतरिक सुरक्षा गृह राज्य मंत्री थे, उन दिनों मंदिर आंदोलन का केंद्र मेरा दिल्ली का आश्रम था, पायलट रात में मेरे पास आये और पूंछा क्या करना है। मैने कहा था कि यदि आपको हिंदुओं का वोट चाहिए तो शिलान्यास कराकर मंदिर निर्माण होने दीजिए। सिर्फ मुसलमानों का वोट चाहिए तो शिलान्यास मत करने दीजिए। शिलान्यास कराया गया, फिर रोक दिया गया। उन्होंने कहा कि ये शिलान्यास सियासी शिलान्यास था। कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह द्वारा मंदिर के शिलान्यास पर अनर्गल बयानबाजी किये जाने पर उन्होंने कहा कि उन्होंने राम भक्तों को जेल में ठूंसवा दिया था। साक्षी महाराज ने कहा कि भाजपा राष्ट्र की राजनीति करती है, राम के लिए राजनीति करती है लेकिन दिग्विजय सिंह एक परिवार की गुलामी करते हैं। एक परिवार के लिए राजनीति करते हैं। हम राम के लिए राजनीति करते हैं तो कोई बुरी बात नही, राम इस देश के आदर्श हैं। साक्षी महाराज ने इस बात से इंकार किया कि उम्र और कोरोना को ढाल बनाकर राम मंदिर से जुड़े बड़े चर्चित लोगों को नजर अंदाज किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हजारों लोग राम मंदिर के लिए जान दे गए। सांसद ने इसका श्रेय उच्चतम न्यायालय, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह को इसका श्रेय दिया। उन्होंने मंदिर निर्माण में सहयोग के लिये उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, मुस्लिम और हिन्दू भाइयों को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि यह बताने की जरूरत नहीं कि मंदिर निर्माण के लिए किसका योगदान है। सबके योगदान के बारे में जनता को पता है। जिसका जो योगदान है उसे नकारा नही जा सकता। साक्षी महाराज ने मोदी को अत्यधिक महत्व देने पर कहा कि जब समुद्र में पुल बन रहा था, वहाँ बड़े बड़े योद्धा थे नल, नील, अंगद थे पर प्रभु श्री राम ने हाथ गिलहरी ऊपर रखा था और गिलहरी की चर्चा ज्यादा होती है। प्रभु श्रीराम की कृपा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को ये सौभाग्य प्राप्त हुआ है। वे २२.५० किलोग्राम की चांदी की ईंट से राम मंदिर निर्माण का शिलान्यास अपने हाथों से करेंगे। ये राम की कृपा है। प्रभु की कृपा के बिना पत्ता नही हिल सकता। प्रभु श्रीराम ने ये संयोग बनाया कि श्री मोदी शिलान्यास करें। मोदी जी बधाई के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि पांच अगस्त बड़ा दिन है। इसी दिन धारा ३७० हटाई गई थी। इसी तारीख को ही सैकड़ों सालों से लंबित अयोध्या में राम मंदिर को शिलान्यास होने जा रहा है। सांसद ने देश वासियों से अपील की है कि मोदी जी के शिलान्यास कार्यक्रम के अवसर पर सभी पटाखे चलाएं, दीपक जलाएं, मिठाईया बांटे, खुशिया मनाए, गाने गाए, भजन गाये जो जैसे खुशी का इजहार कर सकता है करे।

पीएम मोदी पहुंचे अयोध्या के द्वार,सोशल डिस्टेसिंग के साथ योगी ने किया स्वागत

लखनऊ/अयोध्या। राम मंदिर के भूमि पूजन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहुंच गए हैं। साकेत डिग्री

कलेज में उनका हेलीकॉप्टर लैंड कर गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पीएम मोदी को रिसीव करने वहां उपस्थित रहे। उतरते ही पीएम मोदी ने मास्क लगाया और दूर से ही अभिवादन किया। यहां से वो हनुमानगढ़ी के दर्शन करेंगे फिर यहां से प्रसाद लेकर रामजन्मभूमि परिसर पहुंचकर भूमि पूजन कार्यक्रम में शामिल होंगे। आखिरी बार मोदी २९ साल पहले १९९१ में नरेंद्र मोदी अयोध्या आए थे। २९ साल पहले जब नरेंद्र मोदी अयोध्या गए थे, तब उनसे एक पत्रकार ने पूछा था कि आप दोबारा अयोध्या कब आएंगे, जिसपर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि मंदिर बनने के बाद वह यहां आएंगे। इससे पहले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अयोध्या पहुंचकर सारे व्यवस्था का जायजा लिया। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट के प्रमुख महंत नृत्य गोपालदास अपने आवास से भूमि पूजन स्थल के लिए अपने साथ चांदी की शीला लेकर निकले हैं, जिसके साथ मंदिर का शिलान्यास किया जाएगा। इसके साथ ही संघ प्रमुख मोहन भागवत भी कार्यक्रम स्थल पर मौजूद हैं।

अयोध्या विवाद में अदालत के फैसले को अब सभी लोगों को स्वीकार कर लेना चाहियेः मायावती

लखनऊ। बसपा अध्यक्ष मायावती ने अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का श्रेय उच्चतम न्यायालय को देते हुए बुधवार को कहा कि अयोध्या विवाद में अदालत के फैसले को अब सभी लोगों को स्वीकार कर लेना चाहिये। मायावती ने ट्वीट कर कहा जैसा कि सर्वविदित है कि अयोध्या विभिन्न धर्मों की पवित्र नगरी व स्थली है, लेकिन दुःख की बात यह है कि यह स्थल राम मंदिर व बाबरी–मस्जिद जमीन विवाद को लेकर काफी वर्षों तक विवादों में भी रहा है। उन्होंने सिलसिलेवार ट्वीट में कहा लेकिन उच्चतम न्यायालय ने इसका अन्त किया। साथ ही, इसकी आड़ में राजनीति कर रही पार्टियों पर भी काफी कुछ विराम लगाया। अदालत के फैसले के तहत ही आज यहां राम–मंदिर निर्माण की नींव रखी जा रही है, जिसका काफी कुछ श्रेय सुप्रीम कोर्ट को ही जाता है। बसपा अध्यक्ष ने कहा कि उनकी पार्टी का शुरू से ही कहना रहा है कि इस प्रकरण को लेकर उच्चतम न्यायालय जो भी फैसला देगा, उसे पार्टी स्वीकार करेगी। जिसे अब सभी को स्वीकार कर लेना चाहिये। बसपा की यही सलाह है।

कोविड–19 संक्रमण के ष्टिगत जनपद मऊ पुलिस की कार्यवाही

मोहम्मद अरशद

मऊ। कारोना महामारी के दृष्टिगत जारी दिशा–निर्देशों के अनुपालन हेतु चलाये जा रहे चेकिंग अभियान

के दौरान दिनांक ०६.०८.२० को सुबह ८ बजे से दिनांक ०७.०८.२० को सुबह ८ बजे तक जनपद के समस्त २६२ बैरियर प्वाइंट (२०७ हाटस्पाट एरिया) पर चेकिंग के दौरान १८०१ वाहनों को चेक किया गया जिसमें २२४ वाहनों का चालान तथा २७ हजार ६०० रुपये शमन शुल्क वसूले गये। साथ ही साथ मास्क न लगाने पर किये गये १९४ चालान व वसूले गये १८ हजार २०० रुपये जुर्माना तथा लाकडाउन का उलंघन करने पर ६१ चालान व वसूले गये ०६ हजार जुर्माना सहित कुल ५१ हजार ८०० रुपये जुर्माना वसूला गया। जनपद में भीड़–भाड़ वाले जगहों, बैंको, बाजारों व महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों के आस–पास सोशल डिस्टेंशिंग का अनुपालन कराया जा रहा है।

महाराष्ट्र के पूर्व सीएम शिवाजीराव पाटिल निलांगेकर का पुणे में निधन

पुणे। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री शिवाजीराव पाटिल निलांगेकर का बीमारी के कारण बुधवार को यहां निधन हो गया। वह ८९ वर्ष के थे। उनके परिवार के सूत्रों ने बताया कि निलांगेकर का यहां एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। वह हाल में कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए थे, लेकिन वह बाद में

स्वस्थ हो गए थे और जांच में संक्रमित न पाए जाने के बाद उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई थी। मराठावाड़ा क्षेत्र के लातुर से वरिष्ठ कांग्रेस नेता निलांगेकर जून १९८५ से मार्च १९८६ तक राज्य के मुख्यमंत्री रहे। निलांगेकर ने अपनी बेटी और उसकी दोस्त "की मदद के लिए" १९८५ में एमडी परीक्षा के नतीजों में छेड़छाड़ के आरोप लगने के कारण मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था।

अयोध्यावासियों को राम ही दिलाएंगे रोजगार

अयोध्या। अयोध्या में राममंदिर के लिए आज भूमि पूजन होने जा रहा है। इसे लेकर अयोध्यावासी बहुत हर्षित हो रहे हैं। उनकी पूरी सम्भवना है कि राम ही उन्हें रोजगार दिलाएंगे। अयोध्या में बड़ी कुटिया के दुकानदार इश्तियाक का कहना है, "सुप्रीम कोर्ट से फैसला आने के बाद विवाद खत्म हो गया। अब यहां के लोगों को राम से आस है कि वही इन्हें रोजगार दिलाएंगे। वर्षो का विवाद था अब वह खत्म हो गया है। अभी तक यहां पर राजनीतिक दलों ने मंदिर–मस्जिद के नाम फर फूट डालने का काम किया लेकिन वह कामयाब नहीं हो पाए, यहां पर आपस मे भाईचारा है। अब बस राम मंदिर बनने से पर्यटन बढ़ेगा। लोगों को रोजी मिलेगी। प्रधानमंत्री के आने से अयोध्यावासी बहुत खुश हैं। अयोध्या की रहने वाली लीलावती कहती हैं कि कोरोना महामारी ने थोड़ा उत्सव का रंग फीका कर दिया है। लेकिन फिर भी जितना हो रहा है वो सब अयोध्या के विकास के लिए हो रहा है। राममंदिर बनने की बहुत खुशी है। कम से कम इतने सालों से चल रहा विवाद का अंत हो गया। वहीं कृष्णकुमार ने कहा, "अयोध्या में हमारी आंखों के सामने मंदिर बनने जा रहा है। एक बड़े विवाद का अंत हो गया। जिसके कारण पूरे

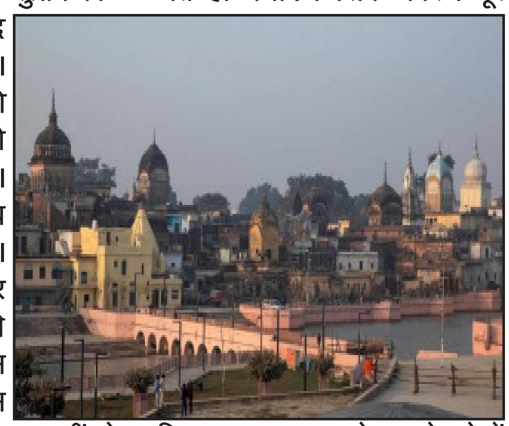

विश्व पटल पर अयोध्या के लोगों का नाम खराब होता था, कम से कम वह खत्म हो गया। प्रधानमंत्री आ रहे हैं। यहां के लिए बहुत कुछ दे जाएंगे। अब यहां कोई विवाद बचा नहीं है। वहीं यहां के एक निवासी सुग्गु ने कहा कि अयोध्या पुराना विवाद निपट गया। राम जी का भव्य मंदिर बनने जा रहा है। हम लोगो को राम जी आशा है कि वो सभी को रोजगार दिलवाएंगे। सुप्रीम कोर्ट के ९ नवंबर को फैसले से राम मंदिर निर्माण का रास्ता साफ हो गया था, जिसके बाद यहां लोग मंदिर निर्माण शुरू होने की प्रतीक्षा कर रहे थे और अब वह घड़ी आ जाने अयोध्यावासियों काफी हर्षित हैं।

कोविड–19 संक्रमण के दृष्टिगत जनपद मऊ पुलिस की कार्यवाही

मोहम्मद अरशद

मऊ। कारोना महामारी के दृष्टिगत जारी दिशा–निर्देशों के अनुपालन हेतु चलाये जा रहे

चेकिंग अभियान के दौरान दिनांक ०५.०८.२० को सुबह ८ बजे से दिनांक ०६.०८.२० को सुबह ८ बजे तक जनपद के समस्त २६२ बैरियर प्वाइंट (२०७ हाटस्पाट एरिया) पर चेकिंग के दौरान २१४९ वाहनों को चेक किया गया जिसमें १९४ वाहनों का चालान, ०३ वाहन सीज तथा २९ हजार ७०० रुपये शमन शुल्क वसूले गये। साथ ही साथ मास्क न लगाने पर किये गये १९५ चालान व वसूले गये १३ हजार १०० रुपये जुर्माना तथा लाकडाउन का उलंघन करने पर ६४ चालान व वसूले गये ०६ हजार २०० जुर्माना सहित कुल ४९ हजार रुपये जुर्माना वसूला गया। जनपद में भीड़–भाड़ वाले जगहों, बैंको, बाजारों व महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों के आस–पास सोशल डिस्टेंशिंग का अनुपालन कराया जा रहा है।

एक वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

मऊ । थाना कोतवाली पुलिस द्वारा देखभाल क्षेत्र व चेकिंग के दौरान ढेकुलिया घाट पुल के पास से मु०अ०सं० ४०२/२० धारा ४१९, ४२०, ४६७, ४६८, ४७९ भादवि० व ३/४ लो० सं०क्षनि० अधिनियम में वांछित अभियुक्त मतीन खा (लेखपाल सदर) को गिरफ्तार कर चालान न्यायालय किया गया।

शांति भंग की आशंका में 22 व्यक्ति गिरफ्तार

मोहम्मद अरशद

मऊ। जनपद के विभिन्न थानों द्वारा देखभाल क्षेत्र व चेकिंग के दौरान शांति भंग की आशंका में थाना दोहरीघाट पुलिस द्वारा चन्ददेव, विजय निवासी मो०बाद सीपाह, किसन निवासी चकेसर थाना दोहरीघाट, थाना घोसी पुलिस द्वारा संजय, तबरेज निवासीगण सुल्तानपुर, सुरेन्द्र, रामरतन निवासीगण पिउवाताल निवासीगण घोसी, थाना हलधरपुर पुलिस द्वारा सिन्टू, प्रिंस निवासीगण कहिनौर, रामबचन, झारखण्डी, हरिन्द्र निवासीगण नगवा थाना हलधरपुर, थाना कोपागंज पुलिस द्वारा विकेश राहुल निवासीगण लक्ष्मीनगर अदरी थाना कोपागंज, थाना मुहम्मदाबाद पुलिस द्वारा दिव्या गोयल, विद्या चौहान निवासीगण करहा, कैलाश निवासी ढ़ोलना थाना मुहम्मदाबाद, थाना रानीपुर पुलिस द्वारा दिलशाद, जूल्फीकार निवासीगण धर्मशीपुर थाना रानीपुर, थाना सरायलखांसी पुलिस द्वारा श्यामविहारी, सुनील दीलीप, निवासीगण सरवा थाना सरायलखंसी मऊ को गिरफ्तार कर चालान न्यायालय किया गया।

दुनियाभर में कोविड-19 के मामले 1.87 करोड़ के पार

वाशिंगटन। जॉन्स हॉपकिन्स विश्वविद्यालय के अनुसार, पूरी दुनिया में कोरोनावायरस मामलों की कुल संख्या १.८७ करोड़ की संख्या से ऊपर हो गई है, जबकि खतरनाक वायरस से होने वाली मौतों की संख्या बढ़कर ७०६,००० हो गई हैं। विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर सिस्टम साइंस एंड इंजीनियरिंग (सीएसएसई) ने अपने नवीनतम अपडेट में खुलासा किया कि गुरुवार की सुबह तक कुल मामलों की संख्या १८,७२७,५३० थी और इससे होने वाली मौतों की संख्या बढ़कर ७०६,०४१ हो गई है। सीएसएसई के अनुसार, अमेरिका दुनिया में सबसे अधिक संक्रमण से प्रभावित देश है, जहां मामलें ४,८२१,२८७ और संक्रमण से हुई मौतें १५८,१७१ है। ब्राजील २,८५६,०७३ संक्रमण और ९७,२५६ मौतों के साथ दूसरे स्थान पर है।

सीएसएसई के अनुसार, मामलों की दृष्टि से भारत तीसरे (१,९०८,२५४) स्थान पर है, और इसके बाद रूस (८६४,९४८), दक्षिण अफ्रीका (५२१,३१८), मेक्सिको (४५६,१००), पेरू (४३६,८६०), चिली (३६४,७२३), कोलंबिया (३३४,९७९), ईरान (३१७,४८३), ब्रिटेन (३०७,२५८), स्पेन (३०५,७६७), सऊदी अरब (२८२,८२४), पाकिस्तान (२८१,१३६), इटली (२४८,८०३), बांग्लादेश (२४६,६७४), तुर्की (२३६,११२), फ्रांस (२२८,५७६), अर्जेंटीना (२२०,६८२), जर्मनी (२१४,११३), इराक (१३७,५५६), कनाडा (१२०,०३३), इंडोनेशिया (११६,८७१), फिलीपींस (११५,९८०) और कतर (१११,८०५) है। वहीं १०,००० से अधिक मौतों वाले अन्य देश मेक्सिको (४९,६९८), ब्रिटेन (४६,२९५), भारत (३९,७९५), इटली (३५,१८१), फ्रांस (३०,२९७), स्पेन (२८,४९६), पेरू (२०,००७), ईरान (१७,८०२), रूस (१४,४६५) और कोलंबिया (११,३१५)हैं।

शिवराज सिंह चौहान की अस्पताल से छुट्टी

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को आज अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। वे कोरोना पॉजिटिव होने के बाद कोविड सेंटर अस्पताल में थे, स्थिति स्वस्थ हैं। कोविड-१६ गाइडलाइन के मुताबिक अगले सात दिन तक सावधानीपूर्वक अपने निवास में रहेंगे और स्वयं के स्वास्थ्य का परीक्षण भी करेंगे। ज्ञात हो कि

में सुधार होने और कोरोना के तय दिशानिर्देशों के मुताबिक उनके स्वस्थ होने पर अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। भाजपा के मीडिया विभाग के प्रमुख लोकेंद्र पाराशर ने बताया है कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को चिकित्सालय से छुट्टी दे दी गई है। वे पूर्णतरू मुख्यमंत्री चौहान २५ जुलाई को कोरोना पॉजिटिव पाए गए थे और उसके बाद कोविड सेंटर चिरायु अस्पताल में भर्ती हुए थे। चिकित्सालय के मुताबिक चौहान के सभी क्लीनिकल पैरामीटर सामान्य है और उन्हें बीते तीन दिन से बुखार नहीं आया है।

मुंबई में भारी बारिश से तबाही

मुंबई। देश की वित्तीय राजधानी मुंबई में भारी बारिश की वजह से जबरदस्त तबाही मची है। महानगर के ज्यादातर हिस्सों में पानी भर गया है और बाढ़ जैसी स्थिति बन गई है। शहर के ज्यादातर निचले इलाकों की सड़कें पानी में डूबी हैं। समुद्र से सटे इलाकों में एनडीआरएफ की पांच टीमें लगातार लोगों के बचाव में जुटी है। ऊंची लहरों की वजह से मुंबई के निचले इलाकों में समुद्र का पानी घरों और दुकानों में घुस गया। भारी बारिश की वजह से एक मकान की कुछ हिस्सा भी गिर गया। गुरुवार को समुद्र में ऊंची लहरें उठने की आशंका को देखते हुए ट्रैफिक को रोक दिया गया है। इससे पहले बुधवार को हुई बारिश ने २६ जुलाई २००५ की बरसात की याद दिला दी है। २६ जुलाई दोपहर दो बजे शुरू हुई बरसात, अगले दिन २७ जुलाई सुबह ८रू३० बजे तक जारी रही थी। इस दौरान मुंबई में ९४४ मिलीमीटर पानी बरसा था। इस दिन मुंबई समेत पूरे महाराष्ट्र में ११ सौ से ज्यादा लोग मारे गए थे। बहरहाल, गुरुवार को मुंबई उपनगरीय इलाकों के साथ साथ दक्षिणी मुंबई में भी भारी बारिश हुई और चारों तरफ पानी जमा हो गया।

देवरिया में सरयू नदी में नाव पलटने से पांच लोगों की मौत

देवरिया। उत्तर प्रदेश में देवरिया जिले के मईल क्षेत्र में बुधवार शाम सरयू नदी में नाव पलटने से तीन बच्चों और दो महिलाओं समेत पांच लोगों की डूबने से मौत हो गई जबकि नौ को सुरक्षित बच गये हैं। एसडीएम बरहज सुनील सिंह ने बताया कि आज शाम मऊ जिले के मधुबन क्षेत्र से एक नाव देवरिया जिले के तेलिया कला गांव की ओर आ रही थी। उन्होंने बताया कि सरयू नदी में नाव पलटी गई। इस हादसे में पांच लोगों की डूबने से मौत हो गई,जिसमें दो महिलाएं और तीन बच्चें हैं। उन्होंने बताया कि पांचों के शव नदी से बरामद कर लिये गये है। उन्होंने बताया कि नाव पर कुल १५ लोग सवार थे, जिसमें से नौ लोग सुरक्षित बच गये हैं।वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पांच लोगों की मृत्यु पर दुख व्यक्त करते हुए उनके परिजनों को चार-चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने के अधिकारियों को निर्देश दिए है। सीएम योगी ने दुर्घटना का संज्ञान लेते हुए जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंचकर बचाव एवं राहत कार्य संचालित करने के निर्देश दिये।

अधिकारियों और कर्मचारियों की सांठगांठ से बिजली घरों सकीय है दलालों के गिरोह

लखनऊ। मध्यांचल निगम के अंतर्गत आने वाले लेसा (लखनऊ विद्युत संपूर्ति प्रशासन) के सभी बिजली घरों पर दलालों के गिरोह हैं। यहां के हर एक बिजली घर पर १५ से २० की संख्या में दलालों की फौज है। लेसा में कुल १२० बिजली घर हैं यानि की सभी बिजली घरों पर करीब दो हजार से अधिक दलाल हैं। यह सभी दलाल उपभोक्ताओं को जमकर शोषण करते हैं। इतना ही नहीं ये विभाग की छवि तो खराब कर रही रहे हैं महीने में करोड़ों रुपये का चपत भी लगा रहे हैं। लेकिन इसके बाद भी विभाग दलालों के खात्मे के लिए कुछ नहीं करता है। अधिकारियों को पता होता है कि हमारे सर्किल, डिवीजन, उपखंड या बिजली घरों पर आने वाले उपभोक्ताओं पर दलाल गिद्ध की नजरें लगाए हुए हैं। वे अधिकारी या कर्मचारी के पास पहुंचने से पहले ही अपने झांसे में ले लेते हैं, इसके बाद भी ये अधिकारी हाथ पर हाथ धरे बैठे रहते हैं। वहीं कुछ अधिकारी करना भी चाहते हैं कि ये दलाल इतनी पहुंच वाले होते हैं कि वे उनका तबादला ही करा देते हैं। ऐसे में अधिकारियों या कर्मचारियों के पास कोई चारा नहीं होता है दलालों से सांठगांठ के अलावा। लेसा में तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों से सीधे सपर्क दलालों के होते हैं। इन्हे के संबंधों के बदौलत दलाल बहुत हद तक अपने मंसूबों में कामयाब भी हो जाते हैं। बता दें कि दलालों के अधिकारियों और कर्मचारियों से मजबूत सांठगांठ होने से वे उपभोक्ताओं और अन्य कामों को बहुत ही सरलता से करा लेते हैं। जिससे उपभोक्ताओं का भी विश्वासन दलालों के प्रति दिनों दिन बढ़ता ही जाता है। दलालों का बिजली के सभी कार्यालयों चाहे वो डिवीजन, सर्किल या उपखंड ही क्यों न हो सभी में उनका सीधे हस्तक्षेप रहता है। अधिकारियों और दलालों के संबंध में दोनों का फायदा होता है। कामों के कराने एवज में दलालों द्वारा अधिकारियों और कर्मचारियों को मजबूज रकम अदा की जाती है। दलालों के चंगुल में आने के बाद बहुत से उपभोक्ता तो ठगी के भी शिकार हो जाते हैं। लेसा में दलालों उपभोक्ताओं से सीधे सपर्क करने की कोशिश करता है। काफी समय से एक बिजली घर या डिवीजन पर दलाली करने से दलालों का उपभोक्ताओं से सीधे संपर्क तो हो ही जाता है। वहीं नहीं होने की स्थिति में विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा जानबूझकर संपर्क कराने की कोशिश की जाती है। उपभोक्ताओं को अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा इतना दौड़ा दिया जात है कि वे मान बैठता है कि बिना दलालों के पास जाए हमारा काम नहीं हो सकता है। इस दौरान उन्हे यह भी आभाष हो हा जाता है कि अधिकारियों, कर्मचारियों के संबंध दलालों से है। न चाहकर भी हमे दलालों से काम कराना होगा। लेसा के पुराने शहर स्थित सर्किल, खंडीय और उपखंडीय कार्यालय पर दलालों बड़ा ककस है। लेसा सीस गोमती के अमीनाबाद, चौक, चौपटिया, ठाकुरगंज, विक्टोरिया, अपट्रान, नूरबाड़ी, ऐशबाग, तालकटोरा, अलामबाग, हुसैनगंज, रेजीडेंसी, यूपीआईएएल, बीकेटी, सीतापुर रोड, नादरगंज, कैंट सहित कई और बिजली घर हैं जहां पर कुल दलालों के करीब ६० फीसद यहीं पर है। इसके अलावा चिनहट और उत्तरेटिया बिजली घर पर

अस्पताल में आग, आठ की मौत

अहमदाबाद। कोरोन वायरस के संक्रमण से परेशान अहमदाबाद में एक हृदय विदारक घटना में आठ लोगों की मौत हो गई है। गुरुवार को तड़के शहर के नवरंगपुरा इलाके के कोविड अस्पताल में आग लग गई, जिसमें आठ मरीजों की मौत हो गई। इनमें पांच पुरुष और तीन महिलाएं शामिल हैं। पुलिस ने इस मामले में अस्पताल के ट्रस्टी भारत महंत और एक कर्मचारी को हिरासत में लिया है। गुजरात के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजीव कुमार गुप्ता ने बताया कि इस अस्पताल को सील कर दिया गया है और ४१ मरीजों को सरदार वल्लभ भाई पटेल अस्पताल में शिफ्ट किया गया है। शुरुआती खबरों के मुताबिक, मरने वालों के शरीर ४० से ६० फीसदी झुलस गए थे, लेकिन सभी की मौत सांस में कार्बन मोनोअक्साइड जाने के चलते हुई। पुलिस ने बताया है- श्रेय अस्पताल में आग तड़के साढ़े तीन बजे आईसीयू से शुरू हुई। इसके बाद दूसरे वार्ड में फैल गई।' बताया जा रहा है कि आग शर्ट सर्किट की वजह से लगी। इसमें कोविड के मरीजों के लिए ५० बेड हैं। हादसे के वक्त ४० से ४५ मरीज

भर्ती थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घटना पर शोक जताया और इस हादसे में मारे गए लोगों के लोगों के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय आपदा राहत कोष से दो-दो लाख रुपए देने का ऐलान किया है। घायलों को ५०-५० हजार रुपए की मदद दी जाएगी। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने इस घटना के जांच के आदेश दे दिए हैं।

अद्भुत दुकानें : बिना दुकानदार की दुकानें

अमरेन्द्र सहाय अमर

क्या आप सोच सकते है कि दुकान है लेकिन दुकान का मालिक नही है. आप अपनी जरूरत का सामान उठाइए, दुकान पर पैसे रखिये और चलते बनिये . ऐसा संभव नही लेकिन यह असंभव भी नही. मिजोरम की राजधानी आईजोल पूर्वोत्तर के सबसे खूबसूरत शहरों में से है. लेकिन जब आप यहां से दक्षिण, पूर्व और उत्तर की तरफ जाने वाली घुमावदार सड़कों पर निकलते हैं तो पहाड़ों की सुंदरता के बीच आपको राजधानी भूलने में कुछ ही मिनट लगते हैं. अपनी इसी यात्रा के दौरान आपको कई जगह सड़क किनारे कुछ ऐसी दुकानें दिखेंगी जिनमें मौसमी सब्जियां और फल तो होंगे लेकिन कोई दरवाजा या दुकानदार नहीं. भरोसे की डोर पर टिकीं ये दुकानें आज के दौर में एक अनूठी मिसाल हैं. इन्हें नघालह डर कहा जाता है. मिजो भाषा में इसका मतलब है बिना दुकानदार की दुकान. इन दुकानों पर सभी वस्तुओं की कीमत की सूची पहले से टंगी होती है. महंगाई के इस दौर में ये कीमतें आपको बिलकुल महंगी नहीं लगेंगी. साथ में प्लास्टिक का एक डिब्बा रखा होता है. आपको बस यह करना है कि अपनी मनपसंद सब्जी या दूसरी सामग्री उठाइए और उसकी जो भी कीमत है उतने रुपये साथ वाले डिब्बे में डाल दीजिए. आपके पास खुल्ले पैसे नहीं है तो वह हिसाब–किताब भी आप डिब्बे के पैसों से कर सकते हैं. कुछ दुकानों पर चीजें साफ–सफाई के साथ पारदर्शी पलीथिन बैगों में रखी जाती हैं. कहीं उन्हें करीने से केले के पत्तों में बांधकर रख दिया जाता है. आपको फलों के जूस भी प्लास्टिक की बटल में रखे मिल जाएंगे. हर बटल पर उसकी कीमत लिखी होती है. इन दुकानों की खास बात है कि यहां नापतोल की व्यवस्था नहीं होती. सारे फल–सब्जियां गट्ठर या ढेरी में होते हैं. कीमत भी एक ढेरी या गट्ठर के हिसाब से होती है मिजोरम में लगभग ८७ फीसदी आबादी ईसाई धर्म को मानने वाली है. यह पूर्ण आदिवासी राज्य है. आम ६ ाारणा है कि आदिवासी व्यवहार में निश्छल होते हैं. इस आधार पर कहा जा सकता है मिजोरम में यह 'ईमानदारी की दुकानदारी' सालों से चल रही होगी. मिजोरम के लिए भी इन दुकानों का अस्तित्व कोई दशकों पुराना नहीं है. आज से १२ साल पहले की बात है. आइजोल से लगभग १०० किमी दूर एक गांव के किसान वनलाल्डिगा के खेत में सब्जियों की बंपर पैदावार हुई थी. इस गांव तक पहुंचना काफी मुश्किल है और वनलाल्डिगा के लिए यही मुश्किल थी कि इस पैदावार को बाजार तक कैसे ले जाएं. लेकिन सब्जियां तो बेचनी थीं. आखिरकार उन्होंने अपने गांव से ३० किमी दूर आईजोल–चंफाई रोड पर सब्जियों की एक दुकान खोल ली. पहला दिन निराशा का रहा. सुबह से लेकर शाम हो गई लेकिन दुकान पर कोई ग्राहक नहीं आया. उदास मन से वनलाल्डिगा रात को अपने घर लौट गए. उनके लिए इन सब्जियों का कोई मतलब नहीं था तो उन्होंने इनको दुकान में ही छोड़ दिया. लेकिन अगले दिन सुबह जब वे लौटे तो दुकान से सारी सब्जियां गायब हो चुकी थीं और वहीं एक कोने में कुछ रुपये पड़े हुए थे. मिजोरम के ग्रामीण समाज में चोरियां न के बराबर होती हैं. इस वजह से आम लोग एक दूसरे पर पूरा भरोसा करते हैं और 'बिना दुकानदारों की दुकानों' की बुनियाद भी इसी भरोसे पर टिकी है। वनलाल्डिगा आदिवासी समुदाय से ताल्लुक रखते हैं. उनके लिए यह नई बात तो थी लेकिन, अपने समाज के मूल्यों को समझने वाला यह ग्रामीण इस घटना से हैरान नहीं था. यह घटना उनके लिए एक सबक बन गई. अगले दिन उन्होंने और ज्यादा सब्जियां अपनी दुकान में रखीं और उनके साथ कीमत की सूची भी टांग दी. अगले दिन भी वही हुआ और इसके साथ ही इस अंचल में एक नई तरह की दुकान अस्तित्व में आ गईं. मिजोरम की यह पहली दुकान थी जिसे स्थानीय लोगों ने नघालह डर नाम दिया. इस अंचल में वनलाल्डिगा अकेले किसान नहीं थे जिन्हें अपनी फसल बेचने में दिक्कत आई हो. लेकिन उनकी इस दुकान ने क्षेत्र में एक तरह की क्रांति कर दी. उनके पड़ोसी दूसरे किसानों को भी यह आइडिया इतना भाया कि देखते ही देखते आईजोल–चंफाई रोड पर दसियों नघालह डर खुल गईं. आज सिर्फ इस रोड पर ही नहीं बल्कि मिजोरम के बाहरी इलाकों में आपको ऐसी कई दुकानें मिल जाएंगी. इन दुकानों की खास बात यह है कि यहां नापतोल की व्यवस्था नहीं होती. सारे फल–सब्जियां गट्ठर या ढेरी में होते हैं. कीमत भी एक ढेरी या गट्ठर के हिसाब से होती है. वनलाल्डिगा एक अखबार को बताते हैं, 'नापतोल में बहुत झंझट होता है इसलिए हम सभी सामान ढेरी या जोड़ी में बेचते हैं.' नघालाह डर की बुनियाद में भरोसा है और सबसे अच्छी बात है कि इन ग्रामीणों की ईमानदारी इतनी संक्रामक है कि यहां आने वाले पर्यटक भी इस भरोसे को नहीं तोड़ते. आईजोल–चंफाई रोड मिजोरम की सबसे व्यस्त सड़कों में से है. म्यांमार सीमा पर यह प्रमुख व्यापारिक मार्ग है और इसपर बड़ी संख्या में पर्यटकों की आवाजाही लगी रहती है. इन दुकानों के ज्यादातर ग्राहक पर्यटक ही हैं. नघालह डर ने ग्रामीण मार्केटिंग की एक ऐसी तकनीक ईजाद की है जहां लोगों को अपना सामान बेचने के लिए बिचौलिए की जरूरत नहीं है. दुकान पर सेल्समैन रखने या कहें कि खुद बैठने की जरूरत नहीं है और फायदा पूरा है. यहां जो समय बचता है उसे दुकान के मालिक खेतों में ही बिताना पसंद करते हैं. ऐसा नहीं है कि मिजोरम में चोरियां नहीं होतीं लेकिन, ग्रामीण अंचलों में चोरी करने वालों और उनके परिवार को इतनी हिकारत से देखा जाता है कि इनका अपने आप ही सामाजिक बहिष्कार हो जाता है. कुछ स्वभाविक निश्छलता और थोड़े–बहुत सामाजिक भय के मेल की वजह से मिजोरम के ग्रामीण अंचलों में चोरी की घटनाएं न के बराबर होती हैं. मिजोरम के समाज में यह व्यवस्था दशकों से रही है जिसके चलते आम लोग एक दूसरे पर पूरा भरोसा करते हैं.

सुप्रीम कोर्ट में माल्या मामले से संबंधित दस्तावेज गायब

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में विजय माल्या मामले से संबंधित एक दस्तावेज शीर्ष अदालत की फाइलों से गायब हो गया है। जस्टिस यू.यू. ललित और अशोक भूषण की पीठ ने सुनवाई २० अगस्त तक के लिए स्थगित कर दी। यह १४ जुलाई, २०१७ के फैसले के खिलाफ माल्या द्वारा दायर पुनर्विचार याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें उन्हें बार–बार निर्देश के बावजूद बैंकों को ६,००० करोड़ रुपये का भुगतान नहीं करने के लिए अवमानना का दोषी पाया गया था, हालांकि उन्होंने अपने बच्चों को ४ करोड़ डॉलर ट्रांसफर किया था। पीठ एक हस्तक्षेप आवेदन पर जवाब की तलाश में थी, जो ऐसा मालूम पड़ा कि मामले के कागजात से गायब हो गया है। मामले में शामिल पक्षों ने नई प्रतियां दाखिल करने के लिए और समय मांगा। १६ जून को सुप्रीम कोर्ट ने पिछले ३ वर्षों से सूचीबद्ध बैंकों को ६,००० करोड़ रुपये का बकाया नहीं चुकाने के मामले में मई २०१७ की सजा के खिलाफ माल्या की अपील के बारे में अपनी रजिस्ट्री से स्पष्टीकरण मांगा था। मई २०१७ में, शीर्ष अदालत ने उन्हें अपने बच्चों को ४ करोड़ डॉलर ट्रांसफर करने के लिए अदालत की अवमानना करने का दोषी ठहराया,और उसे सजा पर बहस करने के लिए १० जुलाई को उपस्थित होने का आदेश दिया था।

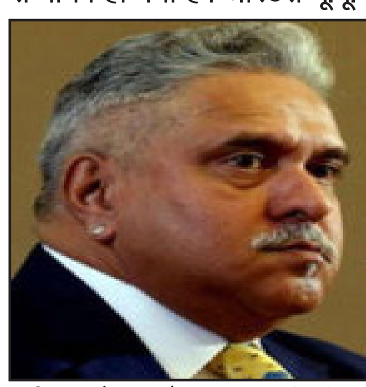

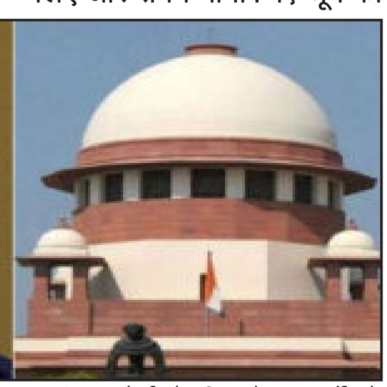

बसपा विधायकों का मामला सिंगल बेंच को वापस

जयपुर। राजस्थान में बहुजन समाज पार्टी के छह विधायकों के कांग्रेस में विलय के मामले में अब हाई कोर्ट की सिंगल जज बेंच ही सुनवाई करेगी। हाई कोर्ट की खंडपीठ ने इस मामले पर सुनवाई के बाद कहा है कि सिंगल बेंच की ओर से विधायकों को जारी नोटिसों की आठ अगस्त तक तामील करवाई जाएगी। इसकी जिम्मेदारी जैसलमेर जिला जज को दी जाएगी। जरूरत पड़ने पर वे पुलिस की मदद भी ले सकेंगे। डिवीजन बेंच ने विधायकों के दलबदल पर अस्थायी स्टे का फैसला सिंगल बेंच पर ही छोड़ दिया। सिंगल बेंच में ११ अगस्त को सुनवाई होगी। हाई कोर्ट की खंडपीठ ने निर्देश दिया है कि उसी दिन सुनवाई पूरी करके फैसला सुना दिया जाए। गौरतलब है कि कांग्रेस के विधायक जैसलमेर में में हैं। बसपा से कांग्रेस में गए छह विधायक भी वहीं हैं। इसलिए जैसलमेर और बाड़मेर के प्रमुख

अखबारों में भी नोटिस छपवाया जाएगा। इस मामले में भाजपा विधायक मदन दिलावर और बसपा ने भी हाई कोर्ट की सिंगल बेंच के आदेश को डबल बेंच में चुनौती दी थी। सिंगल बेंच ने विधायकों के दलबदल पर तुरंत रोक लगाने की बजाय ३० जुलाई को नोटिस जारी किए थे। याचिकाकर्ताओं ने कहा था कि सिंगल बेंच ने स्टे नहीं दिया और दूसरे विधायकों को नोटिस की तामील भी मुश्किल है। इस पर डिवीजन बेंच ने कहा– सिंगल बेंच ने स्टे की अर्जी खारिज नहीं की है, इसलिए हम स्टे नहीं दे सकते। लेकिन, नोटिस तामील करवाने की व्यवस्था कर रहे हैं। बसपा विधायकों के मामले में डिवीजन बेंच ने बुधवार को विधानसभा स्पीकर सीपी जोशी को नोटिस जारी किया था। उनकी तरफ से कोई जवाब नहीं दिया गया। जोशी के वकील कपिल सिब्बल ने अदालत में कहा कि स्पीकर अफिस का इस्तेमाल पोस्ट ऑफिस की तरह नहीं किया जा सकता कि वहां से विधायकों को नोटिस तामील करवाते रहें।

राम काज कीन्हे बिनु मोहि कहां विश्राम

लखनऊ/अयोध्या। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अयोध्या में राम मंदिर का शिलान्यास करने के बाद कहा

कि उन्हें तो अयोध्या आना ही था क्योंकि 'राम काज कीन्हे बिनु मोहि कहां विश्राम'। भूमिपूजन और शिलान्यास के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने वहां बने मंच से लोगों को संबोधित किया और कहा कि आज सदियों का इंतजार समाप्त हो रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि राम मंदिर राष्ट्रीय एकता और राष्ट्रीय भावना का प्रतीक है और इससे समूचे अयोध्या क्षेत्र की अर्थव्यवस्था में सुधार होगा। प्रधानमंत्री ने कहा– जिस प्रकार स्वतंत्रता दिवस लाखों बलिदानों और स्वतंत्रता की भावना का प्रतीक है, उसी तरह राम मंदिर का निर्माण कई पीढ़ियों के अखंड तप, त्याग और संकल्प का प्रतीक है। मोदी ने कहा– यह मंदिर राष्ट्रीय एकता और राष्ट्रीय भावना का प्रतीक बनेगा तथा करोड़ों लोगों की सामूहिक शक्ति का भी प्रतीक बनेगा। यह आने वाली पीढ़ियों को आस्था और संकल्प की प्रेरणा देता रहेगा। प्रधानमंत्री ने अपने भाषण शुरुआत ''सियावर रामचंद्र की जय'' के उद्घोष से की। उन्होंने कहा– यह उद्घोष सिर्फ राम की नगरी में ही नहीं, बल्कि इसकी गूंज पूरे विश्व में सुनाई दे रही है। उन्होंने इसे पवित्र अवसर बताते हुए देश के

लोगों को और विश्व में फैले करोड़ों राम भक्तों को बधाई दी। प्रधानमंत्री ने अस्थायी मंदिर का हवाला देते हुए कहा– बरसों से टाट और टेंट के नीचे रह रहे हमारे रामलला के लिए अब एक भव्य मंदिर का निर्माण होगा। उन्होंने कहा– टूटना और फिर उठ खड़ा होना, सदियों से चल रहे इस व्यतिक्रम से राम जन्मभूमि आज मुक्त हो गई है। प्रधानमंत्री ने कहा– राम मंदिर के लिए चले आंदोलन में अर्पण भी था, तर्पण भी था, संघर्ष भी था, संकल्प भी था। उन्होंने कहा– जिनके त्याग, बलिदान और संघर्ष से आज ये स्वप्न साकार हो रहा है, जिनकी तपस्या राम मंदिर में नींव की तरह जुड़ी हुई है, मैं उन सबको आज १३० करोड़ देशवासियों की तरफ से नमन करता हूं। मोदी ने कहा कि राम का मंदिर भारतीय संस्कृति का आधुनिक प्रतीक बनेगा, हमारी शाश्वत आस्था का प्रतीक बनेगा, राष्ट्रीय भावना का प्रतीक बनेगा। उन्होंने कहा– ये मंदिर करोड़ों–करोड़ों लोगों की सामूहिक शक्ति का भी प्रतीक बनेगा। अपने भाषण में उन्होंने रामचरितमानस के कई दोहे भी सुनाए। उन्होंने 'भय बिनु होई न प्रीत' का दोहा भी पढ़ा, जिसके राष्ट्रीय सुरक्षा के संदर्भ में भी देखा जा रहा है।

भूमि पूजन से साकार हुआ भव्य राम मंदिर का सपना

अयोध्या। मर्यादा पुरूषोत्तम भगवान श्रीराम की जन्म स्थली पर भव्य मंदिर निर्माण के लिये भूमि पूजन कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश दुनिया के करोड़ों रामभक्तों के सदियों से खुली आंखों से देखे जा रहे सपने को साकार कर दिया। मोदी ने अपने ऐतिहासिक दौरे की शुरूआत हनुमानगढी के दर्शन कर की जिसके

बाद उन्होने श्रीरामजन्मभूमि पर विराजमान रामलला के दर्शन किये और आरती उतारी। बाद में प्रधानमंत्री पीले रंग के कुर्ते,सफेद धोती और भगवा गमझा धारण किये भूमि पूजन के लिये चौकी पर विराजे। काशी के प्रकांड तीन विद्वानों ने भूमि पूजन का अनुष्ठान शुरू किया। मोदी को यजमान के तौर पर संकल्प दिलाया गया और गणेश पूजन के साथ भूमि पूजन का कार्यक्रम शुरू हो गया।

अभिजीत मुहूर्त में भूमि पूजन अनुष्ठान संपन्न हुआ। कांची के शंकराचार्य की ओर से भेजी गई नवरत्न जड़ित सामग्रियों को पूजन में समर्पित किया गया। प्रधान शिला के पूजन के पश्चात अष्ट उप शिला का पूजन किया गया। इसके पश्चात प्रभु श्रीराम की कुलदेवी के पूजन के साथ ही सभी देवियों का पूजन किया गया। जिस स्थल पर रामलला विराजमान थे उसी स्थल पर शिलाओं का पूजन किया जागया। इस मौके पर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ , राष्ट्रीय स्वयं सेवक प्रमुख मोहन भागवत मौजूद थे। पुरोहितों ने प्रधानमंत्री से विधिवत पूजा अर्चना करायी। भूमि पूजन और शिला पूजन सम्पन्न होने के बाद मोदी ने साक्षात दंडवत कर देश की तरक्की और कोरोना के नाश का वरदान प्रभु श्रीराम से मांगा। भूमि पूजन कार्यक्रम के बाद हर हर महादेव,जय श्रीराम और भारत माता की जय के नारे लगाये गये। इससे पहले मोदी ने ऐतिहासिक हनुमान गढ़ी मंदिर में परम रामभक्त हनुमान जी से राम मंदिर निर्माण के लिये भूमि पूजन की आज्ञा मांगी। प्रधानमंत्री सुबह करीब साढ़े ११ बजे साकेत डिग्री कालेज हैलीकाप्टर से पहुंचे जहां से उनका काफिला हनुमानगढ़ी के लिये रवाना हो गया। प्रधानमंत्री ने हनुमानगढ़ी मंदिर पहुंच कर हनुमान जी की विधिवत पूजा अर्चना की और आरती उतारी। आरती माथे पर लगाने के बाद उन्होने दक्षिणा रख रामभक्त से भूमि पूजन की आज्ञा मांगी। इस दौरान दो गज की दूरी पर मास्क लगाये मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मौजूद थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंदिर की परिक्रमा की। भूमि पूजन के लिये प्रस्थान करने से पहले मोदी ने वहां मौजूद महंत को प्रणाम किया। महंत ने उन्हे साफा पहनाया और रामनाम अंकित गमझा भेंट किया। मोदी साफा पहने हुये मंदिर परिसर से बाहर आये और उनका काफिला श्रीरामजन्मभूमि की ओर रवाना हो गया।

भागवत ने कहा, संकल्प पूरा हुआ

अयोध्या। राम मंदिर के भूमिपूजन और शिलान्यास के बाद राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि बरसों पहले किया गया एक संकल्प पूरा हुआ। संघ प्रमुख ने कई दशकों तक चले मंदिर आंदोलन में शामिल रहे लोगों को भी याद किया। मोहन भागवत ने कहा कि भारत को आत्मनिर्भर बनने के लिए जिस विश्वास और आत्मभाव की कमी थी वह अब पूरी हो गई। उन्होंने कहा– प्रभु श्रीराम के चरित्र से आज तक देखेंगे तो पराक्रम, पुरुषार्थ और वीरत्व हमारे भीतर है। आज इस दिन से हमें यह विश्वास और प्रेरणा मिलती है। कोई अपवाद नहीं है, क्योंकि सब राम के हैं और राम सबके हैं। संघ प्रमुख ने कहा– एक संकल्प लिया था। मुझे याद है कि तब के सरसंघचालक बाला साहब देवरस ने कदम बढ़ाने से पहले यह बात याद दिलाई थी कि २०–३० साल लगेंगे। आज हमें इस संकल्प पूर्ति का आनंद मिल रहा है। बहुत लोगों ने बलिदान दिए हैं, जो सूक्ष्म रूप से उपस्थित हैं। कुछ ऐसे हैं, जो यहां आ नहीं सकते। उन्होंने लालकृष्ण आडवाणी को याद करते हुए कहा– आडवाणीजी अपने घर पर बैठे यह कार्यक्रम देख रहे होंगे। भागवत ने कहा– सबसे बड़ा आनंद

है भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए जिस विश्वास और आत्मभाव की जरूरत थी, वह अधिष्ठान पूर्ण हो रहा है। जितना हो सके सबको साथ लेकर आगे चलने की विधि एक बनती है, उसका अधिष्ठान बन रहा है। परम वैभव संपन्न और सबका कल्याण करने वाला भारत उसके निर्माण का शुभारंभ आज जिनके हाथ में सबका व्यवस्थागत नेतृत्व है, उनके हाथ से हो रहा है, तो और अच्छा होता। उन्होंने यह भी कहा कि अशोक सिंघल और रामचंद्र परमहंस होते तो और अच्छा होता।

मुस्लिम महिलाओं ने सजाया राम दरबार

मेरठ। मेरठ में मुस्लिम राष्ट्रीय मंच महिला प्रकोष्ठ की ओर से बुधवार को अयोध्या में राम मंदिर के शिलान्यास के मौके पर मुस्लिम महिलाओं ने भगवान श्रीराम दरबार सजाया और आरती की। दीये जलाए और भगवा ध्वज लहराया। मुस्लिम राष्ट्रीय मंच महिला प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय संयोजिका शाहीन परवेज ने श्रीराम मंदिर के शिलान्यास के मौके पर भगवान श्रीराम की आरती उतारी। खुशियां मनाई। घर में दीप प्रज्वलित कर खुशियों को बांटा। शाहीन परवेज ने कहा कि हमारी सब की पहचान श्रीराम से है। श्रीराम हिंदू– मुसलमान सबके हैं और श्रीराम इमाम–ए–हिन्द है। हिन्दुस्तान की पहचान है। भारतीय संस्कृति की पहचान है। हिन्दुस्तानी मुसलमानों की पहचान श्रीराम इमाम–ए–हिंद से है। हमारे देश का भाईचारा, सांप्रदायिक सौहार्द हमेशा कायम है और रहेगा। हमें कोई नहीं बांट सकता। मुस्लिम महिलाओं द्वारा तैयार किये गये सजावटी दीपों को जलाया गया। हिन्दू–मुस्लिम महिलाओं ने मिलकर श्रीराम के भजन गाये।

योगी ने कोविड–१६ के खिलाफ जंग को और तेज करने के निर्देश दिए

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कोविड–१६ के खिलाफ जंग को और तेज करने के निर्देश देते हुए कहा कि कोरोना महामारी पर प्रभावी नियंत्रण के

लिए प्रोएक्टिव होकर कार्य करना आवश्यक है। योगी ने गुरूवार को यहां अपने सरकारी आवास पर एक उच्चस्तरीय बैठक में अनलॉक व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि कोविड–१६ के खिलाफ जंग को और तेज किया जाय। उन्होंने कहा कि कोविड–१६ पर प्रभावी नियंत्रण के लिए प्रोएक्टिव होकर कार्य करना आवश्यक है। इस महामारी को एक चुनौती मानते हुए इससे निपटने के लिए किये जा रहे प्रयासों में तेजी लायी जाए। उन्होंने कहा कि कानपुर नगर, झांसी, वाराणसी, गोरखपुर तथा प्रयागराज में कोविड–१६ के उपचार व संक्रमण नियंत्रण की व्यवस्था को और बेहतर किया जाय। उन्होंने कहा कि कानपुर नगर में एसजीपीजीआई अथवा केजीएमयू के विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम भेजी जाए, जो वहां कैम्प कर चिकित्सा व्यवस्था को सुढ़ करने में आवश्यक सहयोग एवं मार्गदर्शन प्रदान करे। योगी ने अपर मुख्य सचिव, स्वास्थ्य तथा अपर मुख्य सचिव, चिकित्सा शिक्षा को लखनऊ के एल–२ तथा एल–३ कोविड चिकित्सालयों का भ्रमण कर वहां भर्ती मरीजों तथा रिक्त बेड्स की रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि कानपुर नगर समेत पूरे प्रदेश में सर्विलान्स व्यवस्था को और प्रभावी बनाया जाय।

भूमि पूजन के बाद बेहद खुश हुई लता मंगेशकर

मुंबई। देश की प्रख्यात पार्श्वगायिका लता मंगेशकर ने अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किए गए ऐतिहासिक भूमि पूजन

की सराहना की है। उन्होंने ट्विटर पर इसे लेकर एक नोट भी साझा किया है। लता मंगेशकर लिखती हैं, "नमस्कार। कई राजाओं का, कई पीढ़ियों का और समस्त विश्व के राम भक्तों का सदियों से अधूरा सपना आज साकार होता दिख रहा है। कई सालों के वनवास के बाद आज अयोध्या में प्रभु श्रीराम के मंदिर का पुनर्निर्माण हो रहा है, शिलान्यास हो रहा है। वह आगे लिखती हैं, "इसका बहुत बड़ा श्रेय माननीय लालकृष्ण अडवाणी जी को जाता है, क्योंकि उन्होंने इस मुद्दे को लेकर रथ यात्रा करके पूरे भारत में जनजागृति की थी, और श्रेय माननीय बालासाहेब ठाकरे जी को भी जाता है। आज इस शिलान्यास का बहुत बड़ा आयोजन हो रहा है, उसमें माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, आरएसएस के सरसंघ चालक मोहन भागवत, उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और राम जन्मभूमि न्यास अध्यक्ष नृत्य गोपाल दास, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और कई गणमान्य व्यक्तित्व उपस्थित होंगे। अपने इस नोट में उन्होंने आगे लिखा, "आज भले ही करोना की वजह से लाखों रामभक्त वहां पहुंच नहीं पाएंगे परंतु उनके मन और ध्यान श्रीराम के चरणों में ही होंगे। मुझे खुशी है कि यह समारोह नरेंद्रभाई के कर कमलों से हो रहा है। आज मैं, मेरा परिवार और पूरा संसार बहुत खुश है और मानो आज हर धड़कन हर सांस कह रही है जय श्रीराम।

अंशिका त्यागी ने "सुनो राम कहान" पर किया नॉन स्टॉप डांस

फेसबुक पर 64 मिनट हुआ लाइव शो

लखनऊ। अयोध्या में राम मंदिर के भूमि पूजन समारोह के बहुप्रतीक्षित अवसर पर बुधवार ५ अगस्त को बाल नृत्यांगना अंशिका

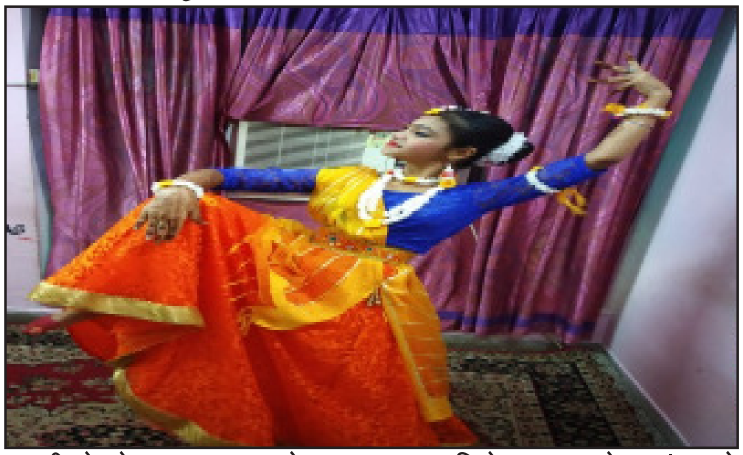

त्यागी ने फेसबुक पर "सुनो राम कहानी" शीर्षक से मनभावन नृत्य पेश किया। केवल दस साल की इस बाल नृत्यांगना अंशिका त्यागी ने दोपहर १ बजे से https://www-facebook-com/Rocking&Anshika&Dancer&Model&Actress&109141597493228/ लिंक पर राम के जन्म से लेकर राज्याभिषेक तक के प्रसंग को नृत्य के माध्यम से खूबसूरती के साथ एक माला के रूप में पिरोया। इस कार्यक्रम को अंशिका त्यागी ने गोमती नगर के रेल बिहार कालोनी स्थित अपने निवास से लाइव किया। नव अंशिका फाउंडेशन के सहयोग से हुए इस आयोजन में नृत्यांगना अंशिका त्यागी ने एक घंटे, चार मिनट और पचास सेकेंड तक नॉन स्टॉप लाइव प्रस्तुति दी। इसकी खासियत यह भी रही कि इस सामाजिक सौहार्द जगाने वाली प्रस्तुति के भजन शहनाज अख्तर ने गाए थे। इसमें जेहि के सुमरे सिद्ध हो शेष गणेश महेश भजन से यह नृत्य प्रस्तुति शुरू हुई। अंत में प्रस्तुति के शीर्षक गीत सुनो राम कहानी मैं गाऊं दीवानी कि भज मोरे राम पर अंशिका त्यागी ने जोशीला नृत्य किया।

सुशांत मामले की सीबीआई जांच कराने को केंद्र सहमत

नई दिल्ली। अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत से जुड़े मामले में एक बड़े घटनाक्रम के तहत सलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट को सूचित किया कि भारत सरकार ने सैद्धांतिक रूप से बिहार सरकार की सीबीआई जांच की सिफारिश स्वीकार कर ली है। केंद्र की ओर से पैरवी कर रहे मेहता ने न्यायाधीश ऋषिकेश रॉय के समक्ष कहा कि केंद्रीय जांच ब्यूरो के लिए अधिसूचना जल्द ही जारी की जाएगी। शीर्ष अदालत ने अपने आदेश में सभी पक्षों को अपना–अपना पक्ष रखने के लिए तीन दिन का समय दिया। यह भी उल्लेख किया कि मुंबई पुलिस को अब तक की गई जांच के रिकॉर्ड को प्रस्तुत करना होगा। मामले पर सुनवाई अगले सप्ताह होनी है। न्यायाधीश रॉय ने कहा, "हम जानना चाहते हैं कि मुंबई पुलिस ने अब तक क्या किया है। महाराष्ट्र सरकार के वकील ने सीबीआई जांच का विरोध किया और तर्क दिया कि यह मुंबई पुलिस है, जो सीआरपीसी के तहत जांच के लिए अधिंत है। महाराष्ट्र सरकार

के वकील ने यह भी कहा कि बिहार पुलिस की कार्रवाई 'राजनीति से प्रेरित' है और जोर देकर कहा कि सीआरपीसी के तहत, केवल मुंबई पुलिस के पास 'मामला दर्ज करने के लिए ड्यूटी, अधिकार और फंक्शन है।

रोहित शेट्टी करेंगे सिने कर्मियों की मदद

मुंबई। फिल्म निर्माता रोहित शेट्टी ने बलीवुड के सिने कर्मचारियों की मदद करने के लिए एक नया कदम उठाया है। 'खतरों के खिलाड़ी' की भी मेजबानी करने वाले इस फिल्मकार ने इस रियलिटी टीवी शो के वर्तमान में प्रसारित हो विशेष संस्करणों से मिले पारिश्रमिक का एक हिस्सा जूनियर कलाकारों, बैकग्राउंड डांसर्स, स्टंटमैन, लाइटमैन और श्रमिकों की मदद के लिए देने का फैसाला किया है। इस पैसे को इन लोगों के खातों में सीधे भेजा जाएगा है। बता दें कि रविवार से ही उन्होंने 'खतरों के खिलाड़ी: मेड इन इंडिया' नाम से विशेष संस्करण की शूटिंग शुरू की थी। विदेशों में फिल्माए गए पिछले सीजन की बनिस्बत इस सीजन की पूरी शूटिंग मुंबई में ही की जाएगी। इस सीजन में पिछले सीजन के चैंपियन भी एक्शन करते नजर आएंगे। इंडिया एडिशन के प्रतियोगियों में करण वाही, रित्विक धनजानी, हर्ष लिम्बाचिया, रश्मि देसाई, निया शर्मा, जैस्मीन भसीन, ऐली गोनी और जय भानुशाली शामिल हैं। यह सीजन १ अगस्त से प्रसारित हो रहा है।

हमारे अन्य प्रतिनिधि

संजय बाजपेई
सीतापुर
मो.9935160370

प्रियंका त्रिपाठी
नई दिल्ली

विधिक सलाहकार
सुरेश नारायण मिश्र

क्षेत्रीय सम्पादक
सौरभ कुमार, बिहार
मो.09386075289

मो० अरशद
ब्यूरो चीफ
मऊ

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।

आर.एन.आई
UPHIN/2010/32566

सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.9415087228
9889745884. 9807059191. 9026560178

Email-
adbhutsamachar@yahoo.in
adbhut_samachar@rediffmail.com

सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक